

पवित्र शास्त्र असल में क्या सिखाता है?

बपतिस्मा और परमेश्वर के साथ आपका रिश्ता

(भाग 1)

बाइबल हमें क्या सिखाती है? के अध्याय 18 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।



क्या मसीहियों को बपतिस्मा लेना चाहिए?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद 'हाँ' क्यों कहें?

कुछ लोग शायद 'नहीं' क्यों कहें?

आप क्या मानते हैं?

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

मसीहियों को पानी में पूरी तरह डूबकर बपतिस्मा लेना चाहिए।

(सिखाती है किताब के अध्याय 18 के पैराग्राफ 1-4 देखें।)

मत्ती 28:19 और प्रेषितों 8:35, 36 पढ़िए।

यीशु के शिष्यों को बपतिस्मा लेने के लिए क्या बात उभारती है?

भजन 40:7, 8 पढ़िए।

जो व्यक्ति बपतिस्मा लेना चाहता है, उसे परमेश्वर की मरज़ी पूरी करने के बारे में कैसा रवैया रखना चाहिए?



मकान बनाने से पहले, एक समझदार इंसान जानने की कोशिश करता है कि मकान बनाने में क्या-क्या सामान लगेगा। उसी तरह, बपतिस्मा लेने से पहले एक समझदार इंसान परमेश्वर के वचन से यह जानने की कोशिश करता है कि परमेश्वर उससे क्या-क्या चाहता है।—लूका 14:27-30

बपतिस्मा लेने से पहले हमें सही ज्ञान लेना चाहिए और उन बातों पर विश्वास करना चाहिए।

(सिखाती है किताब के अध्याय 18 के पैराग्राफ 5-7 देखें।)

इब्रानियों 5:12 पढ़िए।

बपतिस्मा लेने से पहले आपको बाइबल का कितना ज्ञान होना चाहिए?

प्रेषितों 4:12; 2 तीमुथियुस 3:16, 17 और इब्रानियों 11:6 पढ़िए।

बपतिस्मा लेने के बाद तरक्की करते रहने के लिए एक मसीही को किन बातों पर विश्वास करना चाहिए?

बाइबल के बारे में अपना ज्ञान और विश्वास बढ़ाने के लिए आप क्या कर सकते हैं? उदाहरण दीजिए।

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

जब एक शिशु का बपतिस्मा होता है तो परमेश्वर उसके पाप धो देता है।

आप कह सकते हैं . . .

बहुत-से लोग यही मानते हैं। लेकिन मैं कुछ और मानता हूँ क्योंकि . . .

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

अगर कोई कहे . . .

बपतिस्मा लेने के लिए इतना मानना काफी है कि यीशु आपका उद्धारकर्ता है।

आप कह सकते हैं . . .

हाँ, यीशु पर विश्वास करना ज़रूरी है। पर मैं मानता हूँ कि बपतिस्मा लेने से पहले और भी बहुत-सी गंभीर बातों के बारे में सोचना ज़रूरी है क्योंकि . . .

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?
